कपास नई खोज़

भा.कृ.अनु.प. – केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान द्वारा प्रकाशित साप्ताहिक संवाद-पत्र

देखें : www.cicr.org.in

अंक: 1 खंड: 7 जूलाई 1–6, 2015

के.क.अ.सं. के वैज्ञानिकों द्वारा एटीएमए के तहत एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

डॉ. के.आर क्रांति, निदेशक, डॉ. संध्या, डॉ. वेणुगोपालन, डॉ. विनिता घोटमारे एवं डॉ. शांति से युक्त वैज्ञानिकों के एक टीम ने एटीएमए के तहत एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 100 से अधिक किसानों के लिए दि. 6 जुलाई, 2015 को कृषि जागृति सप्ताह पर वर्धा जिले के जंब में आयोजित किया । डा. विनीता ने उच्च घणत्व रोपण प्रणाली (एच.डी.पी.एस.) के कार्यक्रम की रणनीति पर उनके विस्तृत प्रस्तुति मराठी में वर्णित किया जबकि डॉ. क्रांति ने एच.डी.पी.एस की स्थापना पर एक संक्षिप्त विवरण दिया । डॉ. एस.क्रांति, डॉ. वेणुगोपालन, और डॉ. शांति ने क्रमश: एच.डी.पी.एस के संरक्षण, उत्पादन और बीज उत्पादन पहलुओं पर भाषण दिया । कार्यक्रम श्री. राजेश छंदेवार, बी.टी.एम समुद्रपुर द्वारा समन्वित किया गया था । डॉ. विजय गॉव्टे, जे.डी.ए., नागपुर और श्री.बराटे, एस.डी.ए.ओ. वर्धा ने किसानों का मार्गदर्शन किया ।

उच्च घणत्व रोपण प्रणाली के तहत कपास की रणनीतियों, स्थापना, संरक्षण, उत्पादन और बीज उत्पादन समझाना

बीज उत्पादन क्षेत्र में निगरानी यात्रा

एच.डी.पी.एस के तहत 20 एकड़ क्षेत्र में सूरज किस्म

डॉ. के.आर.क्रांति, निदेशक, डॉ. वेणुगोपाल, डॉ. संध्या क्रांति, डॉ. विनीता घोटमारे और डॉ. वी.शांति से निहित के.क.अ.सं., नागपुर के वैज्ञानिकों के टीम ने तकलघाट के तालुका में दि. 6 जुलाई, 2015 को स्थित कप्री गांव, नागपुर के बीज उत्पादन क्षेत्र की निगरानी का प्रारंभ किया । श्री. मिलिंद सावर्कर, कपास किसान, ने उच्च घणत्व रोपण प्रणाली के तहत 20 एकड़ के क्षेत्र में सूरज किस्म की खेती शुरु की हैं । निगरानी टीम ने बेहतर खरपतवार प्रबंधन और फसल स्थिति के लिए महत्वपूर्ण कदम खेत में लेने के लिए सुझाव दिया ।

बीज उत्पादन क्षेत्र में निगरानी यात्रा

बैठकों

आय.बी.एस.सी की बैठक के.क.अ.सं., नागपुर में निदेशक के समिति कक्ष में दि. 3.7.2015 को आयोजित की गयी और टी.एन.ए.यू, कोयंबटतूर के ट्रांसजेनिक कपास इवेन्ट (सी.एच.12) एवं क्राई ए.एक्स1 जीन के एक प्रस्ताव के कार्यसूची पर अनुक्रमण प्रजनन के लिए चर्चा की गई और समिति द्वारा स्वीकार किए गये हैं । उत्कृष्ट कपास की किस्मों में, कोकर 310 से टी.जी.ई -13 (क्राई-1.ए.सी) और सी.एच.12 (क्राई ए.एक्स1) इवेन्ट की अनुक्रमण के लिए एक प्रजनन रणनीति पर चर्चा की गयी और निहित ग्रीन हाउस परीक्षण के लिए अनुमोदित किया गया था । समिति ने प्रयोगशाला जानवर (चूहे, खरगोश, आदि) पर शुद्ध प्रोटीन परीक्षण हेतु जैव सुरक्षा के लिए भी सिफारिश की एवं अनुरोध किया कि प्रौद्योगिकी विकासक से शुद्ध प्रोटीन प्राप्त करने के द्वारा तुरंत सहायक महानिदेशक (पौधा संरक्षण एवं जैव सुरक्षा) से समन्वय करें । समिति ने अंतिम आणविक पुष्टि और "ट्रान्सजीन" एक्स्प्रेशन हेतु के.क.अ.सं., नागपुर द्वारा उत्पन्न इवेन्ट्स के साथ ग्रीन हाउस परीक्षण के प्रस्ताव को मंजूरी दी ।

निर्मित एवं प्रकाशित: डॉ. के.आर.क्रांति, निदेशक, के.क.अ.सं, नागपुर
प्रमुख संपादक: डॉ. एस. एम. वास्निक
संपादकों: डॉ. जे.एन्नि शीबा, डॉ. विश्लेष नगरारे, डॉ. जे.अमुदा एवं डॉ. एम. शरवणन
जनसंचार माध्यम समर्थन एवं रुपांकन: डॉ. एम. सबेष एवं श्री. एस. सत्यकुमार
हिन्दी अनुवाद: श्रीमति. के. सुभश्री एवं डॉ. अ.हि.प्रकाश
प्रमाण: कपास नई खोज, अंक – **1**, खंड – **7, 2015**, भा.कृ.अनु.प. – केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, नागपुर

प्रकाशन टिप्पणी: यह समाचार पत्र आनलाईन http://www.cicr.org.in/News Letter.html में उपलब्ध है ।
कपास नई खोज एक खुला उपयोग कपास समाचार पत्र है ।

कपास नई खोज - के.क.अ.सं, समाचार पत्र केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, नागपुर द्वारा प्रकाशित साप्ताहिक संवाद-पत्र.
कार्यालय: पांजरी, एल.पी.जी. बॉटलिंग प्लॉन्ट के पास, वर्धा रोड, नागपुर- 441 108.
दूरभाष: 07103-275536 फैक्स: 07103-275529; E-mail: cicrnagpur@gmail.com